like to say, there is an inter-Ministerial group which decides about the allocation of gas in which all these Ministries are involved and then they decide as to whom the gas is to be given. As of now, whatever gas is available, it has been allocated. But out of that allocation, we are in a position to give only about 54 per cent and not more than that. So as soon as it comes, it would be given. Power is an important component and it will be also given.

*389. [The questioners Shri Vayalar Ravi, DR. T. Subbarami Reddy were absent. For answer *vide* page 33 *infra*.]

*390. [The questioners Shri M.V. Rajasekharan, SHRI K. Rahman Khan] were absent. For answer *vide* page 34 *infra*.]

*391. [The questioners Shri Suresh Pachori, Shri Balkavi Bairagi were absent. For answer *vide* page *34 infra*.]

*392. [The questioner Shri Ram chandra Khuntia was absent. For answer *vide* page 35 *infra*.]

*393. [The questioners Shri Khan Ghufran Zaidi, Shri Uday Pratap Singh were absent. For answer *vide* page *36 infra*.]

Use of brokers for securities transactions

*394. SHRI SANJAY NIRUPAM: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Reserve Bank of India has utilised the services of brokers in their securities transactions in the overseas market;

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor;

(c) whether such transactions were done as principals or as agents and trades were settled through the books of the brokers; and

(d) if so, the volume of the transactions including purchase and sale?

THE FINANCE MINISTER (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (d) A Statement is placed on the Table of the House.

Statement

(a) The Reserve Bank of India (RBI) has informed that it is dealing directly with its counter parties abroad in respect of its securities transaction

in the overseas market and is not utilising the services of any broker for this purpose.

(b) to (d) In view of (a) above, do not arise.

श्री संजय निरूपम: सभापति जी, मेरा प्रश्न यह था कि ओवरसीज मार्केट में अगर आर बी आई किसी भी तरह का कारोबार कर रही है तो क्या उसमें ब्रोकर्स का इस्तेमाल हो रहा है? मंत्री महोदय ने कहा कि ऐसा कोई इस्तेमाल नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि जो भी काउंटर पार्टीज हैं, उनसे हम डायरेक्ट डील कर रहे हैं। तो जिन काउंटर पार्टीज के साथ आर बी आई का कारोबार चल रहा है, ट्रेड चल रहा है, उसमें दस टाप की काउंटर पार्टीज के नाम मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं। उनके साथ कितना कारोबार हुआ, volume of trade, यह भी जानना चाहता हूं और फिर आगे यह जानना चाहता हूं कि क्या आर बी आई ने इस ट्रेड से कुछ कमाई की या उनको नुकसान हुआ? अगर कमाई हुई तो कितने परसेंट और नुकसान हुआ तो कितने परसेंट?

श्री जसवंत सिंह: सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो जानकारी चाही है, इसमें से बहुत कुछ तो ऐसी जानकारी है जो रिजर्व बैंक के बारे में पब्लिस नहीं की जाती। वैसे रिजर्व बैंक का सबसे ज्यादा जो मैनेजमेंट है फारेन एक्सचेंज का वह इंटरनेशनल बैंक आफ सेटलमेंट से है। उसके अलावा आपने पूछा कि जो रिजर्व बैंक का मैनेजमेंट है, उससे हमको कोई फायदा हुआ है या नुकसान हुआ। है, तो मैं माननीय सदस्य को बता दूं कि हमें कोई नुकसान नहीं हुआ है।

श्री संजय निरूपम: मतलब यह कि काउंटर पार्टीज का नाम नहीं बताया जाना चाहिए देश की सुरक्षा के हित में लेकिन मंत्री जी, मैं सचमुच जानना चाहता हूं कि क्या उन काउंटर पार्टीज का नाम रिवील नहीं करना चाहिए? मेरा अगला सप्लीमेंटरी प्रश्न यह है कि आर बी आई जोकि बेसिकली अपना फॉरेन एक्सचेंज मैनेज करता है, परंपरा से डालर एक फॉरेन करेंसी के रूप में बड़ी स्थिर और मजबूत किस्म की फॉरेन करेंसी मानी जाती थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों में डालर की हालत खराब है और उसकी जगह पर यूरो की स्थिति बहुत मजबूत हो गई है। यूरो एक बहुत ही स्थिर करेंसी के तौर पर पूरी दुनिया में स्वीकार हो गया है मैं फिर पूछना चाहता हूं, पता नहीं आप कहेंगे कि देश के हित में नहीं बताना चाहिए लेकिन मुझे यह जानना है कि 31 मार्च, 2003 तक आरबीआई की जो फॉरेन एक्सचेंज होल्डिंग थी,उसमें डालर का कंपोनेंट कितना है और यूरो का कंपोनेंट कितना है? 31 मार्च, 2002 तक यूरो और डालर का कंपोनेंट कितना था, मैं कंपेरेटिव फिगर्स जानना चाहता हूं।

श्री जसवंत सिंह: माननीय सदस्य ने हमारे रिजर्व्स का प्रतिशत जानना चाहा है चाहे वह यू एस डालर के रूप में हो चाहे अन्य करेंसी के रूप में हो, स्पेसिफिकली यूरो के बारे में, तो मैं माननीय सदस्य को प्रतिशत देने में तो असमर्थ हूं। वैसे मैं आपको इतना अवश्य बता दूं कि रिजर्व बैंक जो

भी इसका मैनेजमेंट करता है।, वह किसी एक अकेले व्यक्ति के हाथ में निर्णय नहीं होता। कई सालों से एक ऐसी प्रणाली बनी हुई है जिसमें हमारा मैनेजमेंट अभी संतोषजनक है, इतना मैं आपको बता दूं। परंतु किस प्रतिशत में हम डालर रखते हैं, किस प्रतिशत में हम यूरो रखते हैं, हमें जानकारी तो है कि इतना हमारा फारेन एक्सचेंज है, लेकिन प्रतिशत देने में एक प्रकार से रिजर्व बैंक की जो गोपनीयता है, वह मैं भंग करूंगा और ऐसा करने का मुझे अधिकार नहीं है। जहां तक net earning का सवाल है, 1999-2000, 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 में यानी सभी वर्षों में हमें इनकम ही हुई है, किसी वर्ष में किसी प्रकार का घाटा नहीं हुआ है।

श्री संजय निरूपम: मंत्री जी, ठीक है, आर बी आई के कामकाज की गोपनीयता बरती जानी चाहिए, मैं इससे ऐतराज नहीं कर रहा हूं लेकिन अंदरूनी तौर पर, आरबीआई के अंदर जो कुछ चल रहा है, उसकी एक छोटी सी इनफार्मेशन देता हूं। आप चाहे तो उसकी इनवैस्टिगेशन कराकर अपने आप को आवस्त कर लें। आर बी आई की ओवरसीज मार्केट में जो भी ट्रेडिंग चल रही है, उसमें ब्रोकर्स का इस्तेमाल हो रहा है। आरबीआई ने जो आपको इन्फोर्मेशन दी है उसमें कहीं न कहीं आपसे भी छिपाने की कोशिश की जा रही है या फिर आप चाह रहे हैं कि हमसे छिपाएं या देश से छिपाएं। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं है। आप अपने आप को आश्वस्त करने के लिए कम से कम इन्वेस्टीगेशन करा लें कि आरबीआई ने पिछले दो-चार-पांच वर्षों में जो भी ओवरसीज मार्केट में या गोल्ड मार्केट में जो भी इन्वेस्टमेंट किया है या ट्रेड किया है उसमें ओवरसीज ब्रोकर्स का इस्तेमाल किया कि नहीं, कृपया आप अपने आप को आश्वस्त कर लें और मुझे कभी अकेले में बता दें तो मुझे बड़ी खुशी होगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, अकेले में मंत्री जी से ···(**व्यवधान**)···

श्री संजय निरूपम: आरबीआई की गोपनीयता का प्रश्न है और यह देश के हित में है कि सार्वजनिक न किया जाए। ···(**व्यवधान**)·· ऐसा मंत्री जी कह रहे हैं इसलिए मैं चाहूंगा कि मेरे पास जो इन्फोर्मेशन है ···(**व्यवधान**)···

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : यह सब सदन में होना चाहिए। ···(**व्यवधान**)···

श्री संजय निरूपम: मेरा किसी ओवरसीज ब्रोकर से लेना देना नहीं है। मैं सिर्फ यह बता रहा हूं कि कि अगर आरबीआई की गोपनीयता देश के हित में है तो उसे आप सार्वजनिक न करें। लेकिन जो इन्फोर्मेशन मैं दे रहा हूं उसको कृपा कंफर्म करें।

श्री सभापति: आपको देने के बाद क्या वह गोपनीय रहेगी?

श्री संजय निरूपम: मैं वायदा करता हूं कि मैं देश के हित में गोपनीय रखूंगा।

श्री जसवंत सिंह: सभापति जी, एक तो मैं माननीय सदस्य एस एस अहलुवालिया को आश्वस्त कर दूं कि अकेले में मुझे कुछ नहीं करना है। जो कुछ करना है सब के साथ करना है । दूसरे मैं माननीय सदस्य श्री संजय जी से निवेदन करूंगा कि कोई ऐसी बात नहीं है कि जो मैं आप से व्यक्तिगत तौर पर छुपाना चाहता हूं या सदन से छुपाना चाहता हूं। यह अवश्य है कि काम के साथ जुड़े हुए कुछ आग्रह हैं। उन आग्रहों से ऊपर मैं नहीं जा सकता हूं। ये आग्रह आज के नहीं हैं। एक प्रकार की पद्धति बनी हुई है। आपने अभी कुछ कहा कि इस प्रकार से जैसे रिजर्व बैंक की सूचना है, उसके विपरीत कुछ काम हो रहा है। आप निश्चित मानिए, जब आप सदन में ऐसा कह चुके हैं तो निश्चित रूप से उस पर उचित कार्यवाही होगी।

Rate of interest on finance provided to exporters

*395. SHRI RAMA MUNI REDDY SIRIGIREDDY†† :
SHRI K. RAMA MOHANA RAO:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the rate of interest charged on finance provided to exporters by various financial institutions;

(b) whether it is a fact that the rate of interest is much higher as compared to those is other countries of the world;

(c) if so, the reasons therefor;

(d) what steps Government are taking or propose to take to reduce the rate of interest;

(e) whether any proposal in this connection has been submitted to the Ministry of Finance; and

(f) if so, the response thereto?

THE FINANCE MINISTER (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (f) A Statement is placed on the Table of the House.

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rama Muni Reddy Srigireddy.